आर्थिक विकास

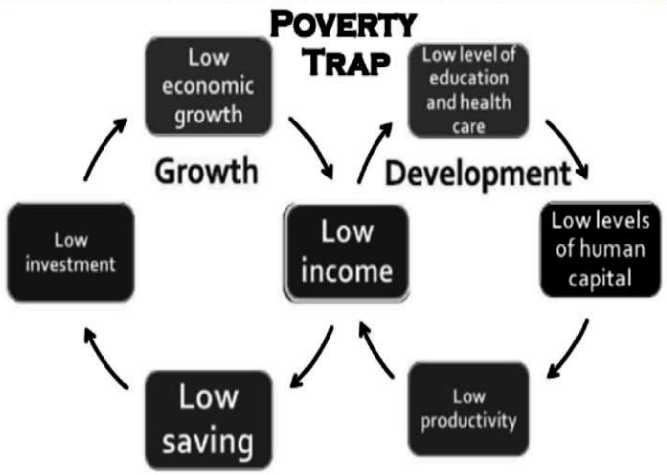

आर्थिक विकास

- आर्थिक विकास समाज की भौतिक भलाई में निरंतर सुधार के रूप में परिभाषित किया गया है।
- आर्थिक विकास की तुलना में अवधारणाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है आर्थिक विकास।
- राष्ट्रीय आय वृद्धि के अलावा, इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन शामिल हैं जो भौतिक प्रगति में योगदान करते हैं।

Economic Development

The process in which people in a country become wealthier, healthier, better educated, and have greater access to good quality housing.

आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक

1. अवसंरचनात्मक विकास (Infrastructural Development)
2. शिक्षा (Education)
3. पूंजी निर्माण में वृद्धि (Increase in Capital Formation)
4. राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय (National Income and Per Capita Income)
5. क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) (Purchasing Power Parity)
6. ग्रीन जीडीपी (Green GDP)
7. मानव विकास सूचकांक (Human Development Indeñ)
8. राजनीतिक स्थिरता (Political Stability)
9. व्यापक आर्थिक स्थिरता (Macroeconomic Stability) (मुद्रास्फीति, राजकोषीय नीति, रोजगार स्तर राष्ट्रीय आय, वैश्विक/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार,)
10. प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources)
11. बचत दर / विदेशी निवेश (Saving Rate / Foreign Investment)
12. व्यापार में रूकावटें (Barriers in Trade)

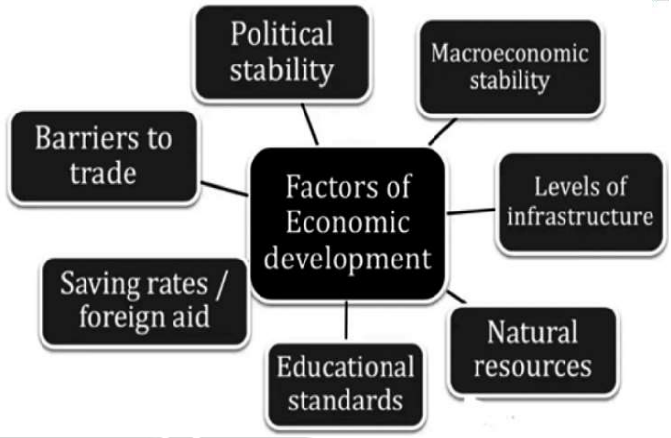

आर्थिक विकास के उपाय

1. मानव विकास सूचकांक (Human Development Indeñ)
2. ग्रहों का दबाव समायोजित सूचकांक (Planetary Pressure Adjusted Index)(PHDI)
3. लिंग विकास सूचकांक (Gender Development Indeñ)
4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (Gender Empowerment Measure) (GEM)
5. लैंगिक असमानता सूचकांक (Gender Inequality Indeñ)
6. असमानता समायोजित एचडीआई (Inequality Adjusted HDI)
7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (Multi-Dimensional Poverty Index) (MPI)
8. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (Physical Quality of Life Index) (PQLI)
9. ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (Global National Happiness Index) (GNH)

अन्य महत्वपूर्ण रिपोर्ट

1. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022
2. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022

1. मानव विकास सूचकांक (HDI)

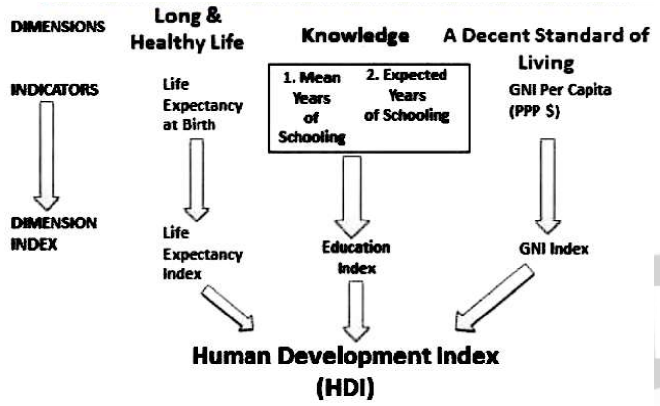

- मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) जीवन की गुणवत्ता में स्तर और परिवर्तन को मापता है
- महबूब उल हक और अमर्त्य सेन, पाकिस्तान और भारत के दो प्रसिद्ध अर्थशास्त्री
- 1990 में यूएनडीपी द्वारा पेश किया गया था और 2012 को छोड़कर, तब से हर साल जारी किया जाता है।
- HDI मान 0.000 से 1.000 तक होता है एक।
  0.000 – 0.4999 (कम एचडीआई)
  बी।0.500 – 0.799 (मध्यम एचडीआई)
  सी।0.800 – 1.000 (उच्च एचडीआई)

मानव विकास रिपोर्ट 2021-22

- भारत 191 देशों में 132वें स्थान पर है और वर्ष 2020 में 130,बांग्लादेश (129) और श्रीलंका (73) से पीछे।
- भारत का नवीनतम एचडीआई मूल्य 0.633 (132) देश को मध्यम मानव विकास श्रेणी में रखता है, जो 2020 की रिपोर्ट में इसके मूल्य 0.645 (130) से कम है।
- जीवन प्रत्याशा:2021 में, भारत की जानप्रत्याशा – 69.7 से 67. 2 वर्ष।(जीवन प्रत्याशा में वैश्विक गिरावट, 2019 में 72.8 वर्ष से घटकर 2021 में 71.4 वर्ष)
- स्कूली शिक्षा: स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 11.9 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 12.2 साल से नीचे, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष 6.7 वर्ष 2020 की रिपोर्ट में 6.5 साल से।
- (इसी अवधि में महिलाओं के लिए स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष 12.6 से घटकर 11.9 वर्ष हो गया।
- सकल राष्ट्रीय कमाई:प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 6,590 अमेरिकी डॉलर थी।
- भारत के पड़ोसियों में, श्रीलंका (73वें), चीन (79वें), बांग्लादेश (129वें), और भूटान (127वें) का स्थान भारत से ऊपर है, जबकि पाकिस्तान (161वें), नेपाल (143वें) और म्यांमार (149वें) की स्थिति और भी खराब है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 90 प्रतिशत देशों ने 2020 या 2021 में अपने एचडीआई मूल्य में गिरावट दर्ज की है।

देश और उनका प्रदर्शन

- स्विट्जरलैंड (1, 0.962), नॉर्वे (2, 0.961), आइसलैंड (3, 0.959), डेनमार्क (6, 0.948), स्वीडन (7, 0.947), आयरलैंड (8, 0.945), जर्मनी (9, 0.942) हैं। और नीदरलैंड्स (10, 0. 941)।
- द्वीप राष्ट्र के बाद श्रीलंका (73 और 0.782), चीन (79 और 0.768), भूटान (127 और 0.666), बांग्लादेश (129 और 0. 661), भारत, नेपाल (143 और 0.602) और पाकिस्तान (161 और 0.544) का स्थान रहा। .

2. ग्रहों का दबाव-समायोजित मानव विकास सूचकांक (Planetary Pressure Adjusted Indeñ (PHDI)

Planetary pressures-adjusted Human Development Index (PHDI)

Country (HDI rank)	India	World	China	Switzerland
PHDI	0.609	0.667	0.648	0.796
PHDI (vs HDI)	Falls by 4%	Falls by 9%	Falls by 16%	Falls by 17%

- PHDI देश के स्तर के अनुसार मानक HDI को समायोजित करता है कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन और भौतिक पदचिह्न, प्रति व्यक्ति के आधार पर प्रत्येक।
- **भारत का प्रदर्शन:**
  - भारत रैंकिंग में आठ पायदान ऊपर चढ़ेगा (123वां)
  - पेरिस समझौते के तहत, भारत ने 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 33-35% तक कम करने और 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंध न स्रोतों से 40% बिजली क्षमता प्राप्त करने का संकल्प लिया।
  - भारत में सौर क्षमता में वृद्धि हुईमार्च 2014 में 2.6 गीगावाट से जुलाई 2019 में 30 गीगावाट तक, निर्धारित समय से चार साल पहले 20 गीगावाट के अपने लक्ष्य को प्राप्त करना।
  - 2019 में, स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत पांचवें स्थान पर रहा।
  - राष्ट्रीय सौर मिशन का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन आधारित विकल्पों के साथ सौर ऊर्जा को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बिजली उत्पादन और अन्य उपयोगों के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

3. लिंग विकास सूचकांक

Gender Development Index

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
GDI	0.849	0.958	0.984	0.967
GNI per capita for women (in 2017 PPP $)	2,277	12,241	13,980	54,597
GNI per capita for men (in 2017 PPP $)	10,633	21,210	20,883	79,451

- मानव विकास रिपोर्ट 1995 में पेश किया गया
- GDI लेखांकन द्वारा मानव विकास उपलब्धियों में लैंगिक अंतराल को मापता हैतीन बुनियादी आयामों में महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानताओं के लिएमानव विकास के-स्वास्थ्य, ज्ञान और जीवन स्तरएचडीआई के समान घटक संकेतकों का उपयोग करना।
- यह अनुपात 1 के जितना करीब होगा, मानव विकास सूचकांक के संदर्भ में महिलाओं और पुरुषों के बीच लिंग अंतर उतना ही कम होगा।
- भारत का GDI 0.849 पर है जो विश्व औसत 0.958 से काफी पीछे है।
- महिला जीवन प्रत्याशा 2020 की रिपोर्ट में 71 वर्ष से गिरकर 2021 की रिपोर्ट में 68.8 वर्ष हो गई।
- भारत के दृष्टिकोण से, प्रमुख मानव विकास सूचकांक मीट्रिक जहां महिलाएं पुरुषों से सबसे पीछे लगती हैं, प्रति व्यक्ति आय है।
- जीडीआई = महिला एचडीआई/पुरुष एचडीआई

4. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM)

- 1995 में पेश किया गया
- यूएनडीपी द्वारा विकसित
- यह लैंगिक असमानता को तीन प्रमुख आयामों में मापता है

(a) राजनीतिक भागीदारी और निर्णय लेना

(b) आर्थिक भागीदारी और निर्णय लेना

(c) आर्थिक संसाधनों पर शक्ति

5. लैंगिक असमानता सूचकांक

- जीआईआई यूएनडीपी द्वारा जारी असमानता सूचकांक है। यह मानव विकास के तीन महत्वपूर्ण पहलुओं में लैंगिक असमानताओं को मापता है-
  - **<u>प्रजनन स्वास्थ्य</u>** मातृ मृत्यु अनुपात (प्रति 100000 जीवित जन्मों पर जन्म या गर्भावस्था के कारण मातृ मृत्यु की संख्या) और किशोर जन्म दर (प्रति 1000 महिलाओं पर 15 से 19 वर्ष की महिलाओं के जन्म की वार्षिक संख्या) द्वारा मापा जाता है;
  - **<u>अधिकारिता</u>** महिलाओं के कब्जे वाली संसदीय सीटों के अनुपात और कम से कम कुछ माध्यमिक शिक्षा के साथ वयस्क महिलाओं और 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के अनुपात द्वारा मापा जाता है; और
  - **<u>आर्थिक स्थिति</u>** श्रम बाजार भागीदारी के रूप में व्यक्त किया गया और 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला और पुरुष आबादी की श्रम बल भागीदारी दर द्वारा मापा गया।

Gender Inequality Index

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
Maternal mortality ratio (deaths per 100,000 live births)	122	225	29	5
Adolescent birth rate (births per 1,000 women ages 15-19)	17	43	11	2.2
Share of seats in parliament (% held by women)	13	26	25	40
Female population with at least some secondary education (% ages 25 and older)	42	64	78	97
Labour force participation rate (% ages 15 and older)	19	46	62	62
GII	0.490	0.465	0.192	0.018

<u>लैंगिक असमानता सूचकांक - 2021</u>

- GII में, भारत 190 देशों में से 122वें स्थान पर है।
- भारत का GII 0.490 (2020 में 0.493) जो 0.465 के विश्व औसत से थोड़ा कम है।
- भारत का प्रदर्शन चीन से काफी नीचे है जिसका GII मान 0.192 है।

6. असमानता समायोजित एचडीआई

Inequality-adjusted HDI

Country (HDI rank)	India (#132)	World	China (#79)	Switzerland (#1)
What happens to HDI when adjusted for inequality	Falls by 25%	Falls by 19%	Falls by 15%	Falls by 7%
Income share held by poorest 40% of	20%	18%	17%	20%
Income share held by the richest 1%	22%	17%	14%	12%

- 2010 में पेश किया गया।
- IHDI असमानता के कारण भ्क्प् में प्रतिशत हानि दर्शाता है।
- यदि कोई असमानता नहीं है, तो HDI, IHDI के बराबर होगा।
- भारत के लिए, 2019 के लिए IHDI मान 0.537 है।
- रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का मानव विकास सूचकांक 25% तक गिर जाता है, जब असमानता के लिए समायोजित यह वैश्विक औसत 19% से अधिक है।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि सबसे अमीर 1% आबादी की आय का हिस्सा सबसे गरीब 40% की आय से अधिक है।

7. बहु-आयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई)

- 2010 में पेश किया गया
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी

- सूचकांक 109 देशों और 5.9 अरब लोगों के डेटा पर विचार करता है।
- एक व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब है यदि वह भारित संकेतकों (दस संकेतकों में से) के एक तिहाई या अधिक (अर्थात् 33% या अधिक) से वंचित है। जो लोग भारित संकेतकों के आधे या अधिक से वंचित हैं, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहने वाले माना जाता है।

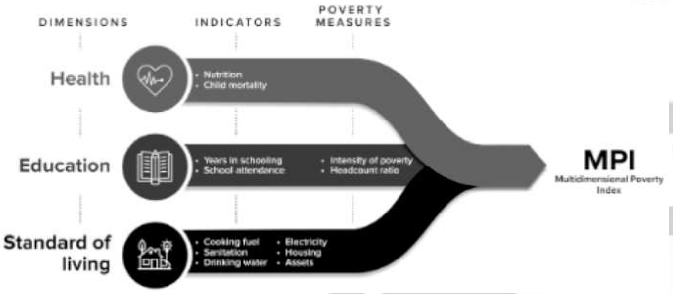

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2022

- 1.2 अरब लोग बहुआयामी रूप से गरीब हैं।
- उनमें से लगभग आधे गंभीर गरीबी में रहते हैं।
- आधे गरीब लोग (593 मिलियन) 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं
- उप सहारा अफ्रीका (579 मिलियन) में गरीब लोगों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (385 मिलियन) का स्थान है। दोनों क्षेत्रों में एक साथ 83% गरीब लोग रहते हैं।

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) और भारत

1. 22.8 करोड़ के साथ भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक गरीब लोग हैं, इसके बाद नाइजीरिया में 9.6 करोड़ लोग हैं।
2. देश में 2005/06 में गरीबी की घटना 55.1% से गिरकर 2019/21 में 16.4% हो गई।
3. 2005-06 और 2019-21 के बीच 15 साल की अवधि के दौरान भारत में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले।
4. **राज्यों का प्रदर्शन:**
   (a) बिहार, 2015-16 में सबसे गरीब राज्य, एमपीआई मूल्य में पूर्ण रूप से सबसे तेज कमी देखी गई।
      (i) बिहार में गरीबों का प्रतिशत 2005-06 में 77.4% से गिरकर 2015-16 में 52.4% और 2019-21 में 34. 7% हो गया।
   (b) हालांकि, सापेक्ष रूप में, सबसे गरीब राज्य अभी तक पकड़ में नहीं आए हैं।
      (i) 2015/2016 में 10 सबसे गरीब राज्यों में से केवल एक (पश्चिम बंगाल) 2019-21 की सूची से बाहर हुआ है।
      (ii) बाकी (बिहार, झारखंड, मेघालय, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान) 10 सबसे गरीब लोगों में से हैं।
   (c) भारत में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, सापेक्षिक रूप से सबसे तेज कमी गोवा में हुई, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का स्थान रहा।
5. **क्षेत्रवार गरीबी में कमी:**
   (a) 2015-2016 में गरीबी की घटना 36.6% से घटकर 2019-2021 में ग्रामीण क्षेत्रों में 21.2% और शहरी क्षेत्रों में 9.0% से 5.5% तक गिर गई।

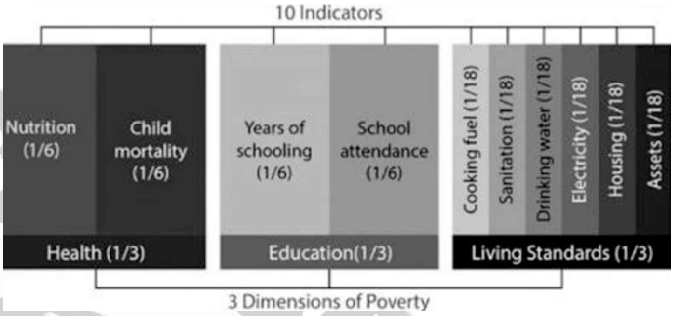

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक: नीति आयोग

- 12 संकेतक (स्वास्थ्य - प्रसव पूर्व देखभाल और जीवन स्तर - बैंक खाता)
- बिहार में राज्य की जनसंख्या का सबसे अधिक अनुपात है जिसके बाद झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं जो बहुआयामी रूप से गरीब हैं।
- केरल ने सबसे कम जनसंख्या गरीबी स्तर दर्ज किया, इसके बाद पुडुचेरी, लक्षद्वीप, गोवा और सिक्किम का स्थान है।

8. **जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता (PQLI)**
   - मॉरिस डेविड द्वारा 1970 के दशक के मध्य में ओवरसीज डेवलपमेंट काउंसिल के लिए फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स (PQLI) विकसित किया गया था।
   - जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता तीन चरों के आधार पर किसी देश के जीवन या कल्याण की गुणवत्ता को मापती है-
     (a) बुनियादी साक्षरता दर
     (b) शिशु मृत्यु दर
     (c) एक वर्ष की आयु में जीवन प्रत्याशा
9. **ग्लोबल नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स (GNH)**
   - ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस शब्द 1970 के दशक में महामहिम भूटान के चौथे राजा, जिग्मे सिंग्ये वांगचुक द्वारा गढ़ा गया था।
   - सकल राष्ट्रीय खुशी (जीएनएच) भूटान में सकल घरेलू उत्पाद माप के विकल्प के रूप में आर्थिक और नैतिक प्रगति को मापता है।
   - अवधारणा का तात्पर्य है कि सतत विकास को प्रगति की ध रणाओं के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और कल्याण के गैर-आर्थिक पहलुओं को समान महत्व देना चाहिए।
   - 2012 में, वैश्विक स्तर पर सकल खुशी सूचकांक के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा पहली बार वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की गई थी।
   - रिपोर्ट आमतौर पर 150 देशों को रैंक करती है

- यह कई कारकों पर आधारित है जैसे प्रति व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद, एससामाजिक समर्थन, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।
- अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस– 20 मार्च

10. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022

- इस साल, रिपोर्ट में 146 देशों को स्थान दिया गया।
- भारत ने अपनी रैंकिंग में मामूली सुधार देखा, एक साल पहले 139 से तीन स्थानों की छलांग लगाकर 136 पर पहुंच गया।
- फिनलैंड को पांचवें वर्ष के लिए दुनिया का सबसे खुशहाल देश नामित किया गया है जिसके बाद डेनमार्क है।
- अफगानिस्तान को सबसे दुखी राष्ट्र के रूप में स्थान दिया गया, इसके बाद क्रमशः लेबनान, जिम्बाब्वे, रवांडा और बोत्सवाना का स्थान रहा।

11. ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2022

- चार प्रमुख आयाम
  - आर्थिक भागीदारी और अवसर
  - शिक्षा प्राप्ति
  - स्वास्थ्य और जीवन रक्षा
  - राजनीतिक अधिकारिता

The gender score | India ranked 135 in gender parity out of 146 countries, according to the Global Gender Gap Report 2022 released by the World Economic Forum. A look at India's ranking in the four sub-indexes based on which the overall ranking was determined

India	Rank 2022*
Global gender gap index	**135**
Economic participation and opportunity	143
Educational attainment	107
Health and survival	146
Political empowerment	48

**out of 146 countries*

- विश्व आर्थिक मंच (WEF) रैंक 2022 के लिए अपने ग्लोबल जेंडर गैप (GGG) इंडेक्स में 146 देशों में भारत 135वें स्थान पर है।
- भारत का समग्र स्कोर 0.625 (2021 में) से सुधर कर 0.629 हो गया है, जो पिछले 16 वर्षों में इसका सातवां उच्चतम स्कोर है।
- 2021 में,भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- लैंगिक अंतर महिलाओं और पुरुषों के बीच का अंतर है जो सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक, या आर्थिक उपलब्धियों या दृष्टिकोण में परिलक्षित होता है।

भारत की रैंक

Index/sub-index	2022 (146 countries)		2021 (156 countries)	
	Rank	Score	Rank	Score
वैश्विक लिंग अंतर अनुक्रमणिका	135	0.629	140	0.625
राजनीतिक अधिकारिता	48	0.267	51	0.276
आर्थिक भाग लेना	143	0C50	151	0C26
शिक्षात्मक प्राप्ति	107	0.96t	114	0.962
स्वास्थ्य और जीवित रहना	146	0.937	155	0937

●●●